हनुमान चालीसा भोजपुरी

दोहा के बा

श्री गुरु चरण सरोज राज निजा मनु मुकुरा सुधारी
बरनऊ रघुवर बिमल जासु जो दयाकू फला चारी
बुधीहीन तनु जाननिके सुमिरो पावन कुमारा
बाल बुद्धि विद्या देहू मोही हरहु कलेश विकास

चौपाई के बा

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर
जय कपिस तिहुन लोक उजागर
राम दूत अतुलित बल धमा
अंजनी पुत्र पवन सुत नाम

महाबीर विक्रम बजरंगी के बा
कुमती निवार सुमती के संगी
कंचन वरण विराज सुबेसा
कानन कुंडल कुंचित केशा के बा

हाथ वज्रा और ध्वजा विराजे
काँधे मूंज जानेऊ साजे
संकर सुवन केसरी नंदन
तेज प्रताप महा जग वंदन

PDFSeva.com

हनुमान चालीसा भोजपुरी

विद्यावान गुणी अति चतुर
राम काज करिबे को आतुर
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

सुखमा रूप धारी सियाही दिखावा
विकास रूप धारी लंक जलवा
भीम रूप धारी असुर संहरे
रामचंद्र के काज संवरे

लए संजीवन लखन जियाए
श्री रघुवीर हरशी उर लये
रघुपति किन्ही बहुत बड़ाई
तुम मामा प्रिया भारत-ही-सम भाई

सहस बदन तुम्हारो यश गावे
अस कहि श्रीपति कंठ लगावे
संकाधिक ब्रह्मादी मुनीसा के बा
नारद सरद सहित अहीसा

यम कुबेर दिकपाल जहां ते
कवि कोविद कही सके कहाँ ते
तुम उपकर सुग्रीवहिं कीन्हा
राम मिलये राजपद दीन्हा

PDFSeva.com

हनुमान चालीसा भोजपुरी

तुम्हरो मंत्र विभीषण माँ
लंकेश्वर भाए सब जग जाना
युग सहस्र योजना पर भानु
लीलियो ताहि मधुर फल जानु

प्रभु मुद्रिका मेली मुख मही
जलाधि लंघी गए अचराज नाही
दुर्गम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते

राम दुवारे तुम रखवारे
होत ना आज्ञा बिनु पइसारे
सब सुख लहई तुम्हारी सारना
तुम रक्षक कहु को डरना

आपन तेज सम्हारो आपाई
तीनों लोक हांक ते कानपाई
भूत पिसाच निकत नाहीं आवई
महावीर जब नाम सुनवाई

नासे रोग हरए सब पीरा
जपत निरंतर हनुमत बीरा
संकट से हनुमान छूदवई
मन क्रम वचन ध्यान जो लवई

PDFSeva.com

हनुमान चालीसा भोजपुरी

सब पर राम तपवी राजा
तिन के काज सकल तुम सजा
और मनोरथ जो कोई लवई
सोई अमित जीवन फल पावई

चारों जग परताप तुम्हारा
हई परसिद्ध जगत उजियारा
साधु संत के तुम रखवारे
असुर निकंदन राम दुलारे

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता
अस वर दीन जानकी माता
राम रसायन तुमहरे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा

तुमहरे भजन राम को पावई
जनम जनम के दुख बिसरावई
अंतकाल रघुवर पुर जाये
जहां जनम हरि भक्त कहाई

और देवता चित ना धरहिं
हनुमत सेई सर्व सुख करहीं
संकट काटे मिट सब पीरा
जो सुमिराई हनुमत बलबीरा

PDFSeva.com

हनुमान चालीसा भोजपुरी

जय जय जय हनुमान गोसाईं
कृपा करहूं गुरुदेव की नईं
जो शत बार पथ करे कोई
छुटहिं बन्दी महा सुख होई

जो ये पढ़े हनुमान चालीसा
होखे सिद्धि सखी गौरीसा
तुलसीदास सदा हरि चेरा
कीजाई नाथ हृदय महन डेरा

दोहा के बा

पवन तनय संकट हरणा मंगला मुरती रूप
राम लखन सीता सहिता हृदय बसहू सूर भूप

PDFSeva.com

All PDF Collection
PDFSeva

Hi! We're PDFSeva. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click**.

PDFSeva.com